भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3347
दिनांक 12 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं का सशक्तिकरण

3347. श्री उपेन्द्र सिंह रावतः
श्री कौशल किशोरः

क्या महिला और बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या गत तीन वर्षों में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कोई कदम उठाए गए हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या इस दिशा में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन और अन्य निजी संगठनों को शामिल करने और उन्हें इस संबंध में सरकार से प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान करने का कोई प्रस्ताव है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी महिला एवं बाल विकास मंत्री

(क) से (ग) : जी, हां । महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की महिला शक्ति केंद्र स्कीम का अनुमोदन सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को शक्ति संपन्न बनाने के लिए केंद्रीय प्रायोजित स्कीम के रूप में नवम्बर, 2017 में किया गया था । इस स्कीम में ब्लॉक स्तरीय पहल के रूप में 115 आकांक्षी जिलों में कॉलेज के छात्र वॉलेंटियरों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी; आकांक्षी जिलों में अधिकतम 50% ब्लॉकों में महिला समूहों की क्षमता का निर्माण; महिला केंद्रित स्कीमों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ स्कीम के लिए आधार प्रदान करने के लिए 640 जिलों में जिला स्तरीय महिला केंद्रों; बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ स्कीम सहित महिला केंद्रित स्कीमों/कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को सहायता प्रदान करने के लिए राज्य महिला संसाधन केंद्र परिकल्पित हैं ।

(घ) और (ड.) : महिला शक्ति केंद्र स्कीम के अंतर्गत महिलाओं, विशेषकर ऐसे दूरदराज के/दुर्गम क्षेत्रों, जहां महिलाएं औपचारिक कौशल प्रशिक्षण के लिए अपने आस-पास के वातावरण से दूर जा सकने की स्थिति में नहीं होती हैं, में रहने वाली महिलाओं की आजीविका संबंधित जरूरतों को पूरा करने के लिए 115 आकांक्षी जिलों में अधिकतम 50% महिला शक्ति केंद्र ब्लॉकों में महिला समूहों की क्षमता का निर्माण परिकल्पित है । इस घटक का क्रियान्वयन गैर-सरकारी संगठनों/सहकारी समितियों/कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग से किया जाना है ।

*****